Roll No...............
अनुक्रमांक..............

26 MAY 2022

Sr. No. of Question Paper : 4098

Maitreyi College
LIBRARY
Chanakya Puri, New Delhi-110021

Unique Paper Code – 62051413
Name of the Paper – Hindi-C
Name of the Course – B.A.(Prog.)
Semester - IV
Time – 3 Hours

Maximum Marks: 75

छात्रों के लिए निर्देश:

इस प्रश्नपत्र के प्राप्त होते ही शीर्ष पर अपना अनुक्रमांक लिखें।
सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. किन्हीं दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :10x2=20

(क) कदाचित सीधापन संसार के लिए उपयुक्त नहीं है। देखिए न, भारतवासियों की अफ्रीका में क्यों दुर्दशा हो रही है? क्यों अमेरिका में उन्हें घुसने नहीं दिया जाता? बेचारे शराब नहीं पीते, चार पैसे कुसमय के लिए बचाकर रखते हैं, जी तोड़कर काम करते हैं, किसी से लड़ाई-झगड़ा नहीं करते, चार बातें सुनकर गम खा जाते हैं, फिर भी बदनाम हैं। कहा जाता है, वे जीवन के आदर्श को नीचा करते हैं। अगर वे भी ईंट का जवाब पत्थर से देना सीख जाते, तो शायद सभ्य कहलाने लगते।

(ख) उसका प्रथम संगीत निकला, जब उसकी कामिनियां गेहूं को ऊखल और चक्की में कूट-पीस रही थीं। पशुओं को मारकर,खाकर ही वह तृप्त नहीं हुआ। उनकी खाल का बनाया ढोल और उनके सींग की बनायी तुरही। मछली मारने के लिए जब वह अपनी नाव में पतवार का पंख लगाकर जल पर उड़ा जा रहा था, तब छप-छप में उसने ताल, तराने छेड़े ! बांस से उसने लाठी ही नहीं बनायी बंशी भी बनायी।

(ग) तब विश्व के रंगमंच पर संध्या धीरे-धीरे प्रवेश कर रही थी। उसकी लालिमा में स्नान करके सब कुछ रक्तिम हो उठा था खेत धीरे-धीरे लहलहा रहे थे। वृक्ष मंद -मंद गति से झूम रहे थे। दूर कहीं कोई मदभरे गीत गा रहा था और यह डूबता- उतराता वहां पहूंचता जा रहा था, जहां न उसका कड़वा व्यतीत था, न झुलसा हुआ वर्तमान। बस, एक अनिर्वचनीय आनंद था।वह आनंद जो थकान उतारता है तन- मन सहलाता है।

(घ) नयापन आधुनिकता का पर्याय नहीं। नया पुरातनपंथी भी हो सकता है। प्राचीन साहित्य को आधुनिक दृष्टि से देखा जा सकता है और आधुनिक को पुराणपंथी दृष्टि से, द्विवेदी जी प्राचीन की व्याख्या करते थे। ऐसी व्याख्या जिसे आधुनिक अपने लिए ग्राह्य और संदर्भवान पाते थे। जैसे हर द्वंद्व में तनाव होता है वैसे प्राचीनता और आधुनिकता के द्वंद्व में भी तनाव होता है। जो आधुनिक होगा वही इस तनाव को झेलेगा।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(क) हिंदी गद्य के उद्भव और विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 12

अथवा

रेखाचित्र और संस्मरण में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'दो बैलों की कथा' कहानी की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

'बहादुर' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

(ग) लेखक ने साहित्य को जनसमूह के हृदय का विकास क्यों कहा है?

अथवा

'गेहूं और गुलाब' निबंध की प्रतीकात्मकता स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'घीसा' रेखाचित्र का प्रतिपाद्य लिखिए। 12

अथवा

रामसिंह का चरित्र-चित्रण कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए: 7

(क) शुक्ल युगीन निबंध

(ख) 'सच्ची वीरता' निबंध का उद्देश्य

(ग) 'गंगा स्नान करने चलोगे' के आधार पर हजारी प्रसाद द्विवेदी का व्यक्तित्व

munotes.in